रमजान, दस काम और हम

CHECK LIST

मौलिफ :

शेख अरशद बशीर उमरी मदनी

Shaik Arshad Basheer Umari Madani

Hafiz, Aalim, Faazil (Madina University, KSA), MBA

Founder & Director of AskIslamPedia.com

मुक़द्दमा

अल्हम्दुलिल्लाह वह्द वस्सला वस्सलाम अला मन ला बैनी बादा व अला व अस्हाब अज्मयीन, अम्मा बाद :

रमजान एक इन्तेहाई मुबारक महीना है जिसे मुसलमान बड़े ही अह्तेमाम के साथ गुजारते है, इस माह की चंद इम्तियाजी इबादते और ख़ास अहकाम है जिन्हें जान कर ही इस माह से खातिरख्वा फायदा उठाया जा सकता है|

इस मुख़्तसर से किताबचे में आप के लिए इस माह से मुताल्लिख खुसूसी इबादात और उनके आदाब मा हवालेजात जिकर किये है ताके आप हजरात को इस माह की रानाइयो से भर पूर लुत्फ़ अन्दोज होने और बरकतों से सरशार होने क मौखा मिल सके| बहरहाल ये किताबचा दर्जे जेल उमूर पर मुहीत है :

- तज्कीरी नुकात (Short Notes) बराए बयानात व खुतबात|
- अवाम के लिए रमजान के कामो की Checklist.
- घरो में इस्लाह का काम अंजाम देने वालो के लिए रहनुमा उसूल|

नोट : ये फर्स्ट ड्राफ्ट है, अपने मशवरो से हमें जरूर नवाजे| तवालत से बचने के लिए यहाँ नोट्स में कलिमात ए हदीस मजकूर नहीं सिर्फ हवालो पर इक्तेफा किया गया है|
इस मौके पर अल्लाह का शुकर बजा लाता हूँ के जिसकी तौफीख से मै उम्मत तक इस्लामी तालीमात को अपनी किताबो की शकल में पेश कर पा रहा हूँ (अल्लाह उसे शर्फ़ खुबूलियत से नवाजे) और साथ में अपने मा'वनीन का भी मशकूर हूँ, अल्लाह इन्हें जजाये खैर अता फरमाये, आमीन|
वस्सलाम
शैख अरशद बशीर उमरी मदनी
फउंडर एंड डायरेक्टर आस्कइस्लामपीडिया

फेहरिस्त

1. फजायेल रमजान व सौम एक नजर में ....
2. रमजान और तजदीद ईमान व अमल और 11 मखरूरात (ममनूआत) से परहेज ....
3. रमजान और तजकिये नफ्स व फिखी अहकाम अल खुलूब खब्ल अहकाम अल जवारेह (आजा) ....
4. रमजान और घर का माहौल ....
5. फिखही रमजान और फिखउल इबादात ....
6. रमजान और मसाजिद ....
7. रमजान और दुआये ....
8. रमजान और खुरआन ....
9. रमजान के बाद साबित खदमी के असबाब ....
10. रजब, शाबान और शव्वाल मुख़्तसर तार्रुफ़ ....

1. फजायेल रमजान व सौम एक नजर में

रमजान और रोजे के फजायेल

1. रोज़ेदार के लिए रसूलुल्लाह ﷺ ने जन्नत का वादा फरमाया है| (सहीह बुखारी:1397, सहीह मुस्लिम:14)
2. रोजेदारो के लिए जन्नत में एक ख़ास दरवाज़ा बनाया गया है जिसका नाम रय्यान है| (सहीह बुखारी: 1896, सहीह मुस्लिम:1152)
3. रोज़ेदार शुहदा के साथ होंगे| (सहीह उत तर्घीब:1003)
4. यखीनन रोज़ेदार के गुज़िश्ता गुनाह माफ़ कर दिए जाते है| (सहीह बुखारी:1901, सहीह मुस्लिम:759)
5. रमजान में जन्नत व रहमत के दरवाजे पूरी तरह खोल दिए जाते है, जहन्नम के दरवाजे पूरी तरह से बंद कर दिए जाते है और सरकश शैयातीन को खैद कर दिया जाता है| (सहीह बुखारी:1899)
6. रोज़ेदार के मुह की बू कस्तूरी से ज्यादा पाकीजा है| (सहीह बुखारी:1904)
7. माह रमजान की हर रात अल्लाह ताला जहन्नम के मुस्तहख अफराद को जहन्नम से आजाद करता है| (इब्ने माजह:1642, सहीह इब्ने माजह:1331)
8. रोजे खियामत रोजा रोजेदार की सिफारिश करेगा| (सहीह उत तर्घीब:984)
9. रोजा खैर का दरवाजा है| (तिर्मिजी: 2616, सहीह उत तर्घीब:983)
10. हजार महीनो से बेहतर रात (शबे खदर) माह रमजान ही में है| (सहीह इब्ने माजह:1333, इब्ने माजह:1644)
11. नुजूले खुरआन का शर्फ़ रमजान ही को हासिल है| (बखरह:185)

12. रोजे का बदला खुसूसी तौर पर अल्लाह देगा, हर नेकी का सवाब 10 से 700 गुना बढ़ाकर दिया जाएगा| (सहीह मुस्लिम:1151)
13. एक नफिल रोजा जहन्नम से सत्तर साल दूर करता है तो फ़र्ज़ रोजे की फजीलत कितनी होगी अंदाजा कीजिये| (सहीह बुखारी:2840)
14. रमजान में उम्रे का सवाब नबी ﷺ के साथ हज के बराबर हो जाता है| (सहीह बुखारी:1863, सहीह मुस्लिम:1256)
15. सहर से इफ्तार तक रोजेदार की दुआ खुबूल की जाती है| (तिर्मिजी:3598, इब्ने माजह:1752)

2. रमजान, तजदीद ईमान व अमल और 11 मख्रूरात (ममनूआत) से परहेज

1. तजदीद ईमान (इस्लाम, ईमान और एहसान के अरकान की फहम, इदराक और तत्बीख)

अरबिक टेक्स्ट (-------------------)

अब्दुल्लाह बिन अम्र बिन आस रजिअल्लाहुअन्हु कहते है के रसूलुल्लाह ﷺ ने फरमाया : "कपडे की बोसीदगी की तरह ईमान भी तुम्हारे दिल के अंदर बोसीदा हो जाता है| अल्लाह ताला से सवाल किया करो के वो तुम्हारे दिलो में ईमान की तजदीद करता रहे|"

2. तजदीद हुब्बे इलाही व इबादत व उलूहियत|
(जारियात:56)

3. तजदीद हुब्बे रसूल व इतात| (आले इमरान:31)

4. तजदीद शावर व फिकर आखिरत| (अल हशर:18)

5. तजदीद शावर हुखूखुल्लाह व हुखूख उल इबाद| (सहीह बुखारी:6267, सहीह मुस्लिम:2581)

6. तजदीद शावर छे हुखूख उल मुस्लिम व शावर इंसानियत| (सहीह मुस्लिम:2162)

7. तजदीद फिख हुल इबादात (तहारत, सलाह, सौम, जकात, हज की मालूमात की जांच, जईफ व मौजू को छोड़ कर साबित अहादीस से आयात को समझना)

8. तजदीद इल्म अखीदा, इबादात, मामलात व अखलाख|

9. मुहासिबा नफ्स|

10. इस्तेखामत|

11. खल्ब की सफाई|

12. वसीयत लिख दे|

13. मौत की याद|

14. अहद व पैमान और जबान की पाबंदी, झूट / घीबत / चुघल खोरी / चापलूसी / तोहमत वग़ैरा जैसी जबान की गंदगियो से पाकी|

15. कसरत जीकर, हिफ्ज अदायिया व अज्कार जदीदा|

16. तख्वा कैसे हासिल करे? तवक्कल कैसे हासिल करे? खुशू कैसे लाये? मुताल्ला खुरआन व हदीस के बाद उलमा की सोहबत में बैठ कर सीखे|

17. तौबा व अस्तघफार का तरीखा सीखे, सय्यदुल अस्तघफार याद कर ले, अल्लाह और बन्दों से माफ़ी, नेमतो पर शुकर गुजारी|

18. सालेह तब्दीली|

19. बरकात रमजान लौटना|

20. मघ्फिरत करा लेना|

21. बुरी सोहबत और बुरी जगहों से दूर|

22. तजदीद मारिफते रब, मारिफत रसूल व मारिफत इस्लाम (उसूले सलासा)|

23. इल्म व ईमान, अमल सालेह, दावत व इस्लाह और सबर (सबर अली अल ता, सबर अनिल मासिया, सबर अलल मुसीबा)|

24. ख़ास इबादतों का इह्तेमाम : सलात तरावीह, ऐतेकाफ, लैलतुल खदर, सौम व जकात अगर साल गुजर जाए निसाब के साथ, उमरह, सद्खा, तिलावत खुरआन, दुआ व अज्कार|

25. अल्लाह की तरफ अनाबत, रुजू व तजरु, ताल्लुख ए इलाही पैदा करे, खालिख से ताल्लुख (रुबूबियत, उलूहियत, अस्मा व सिफात)|

26. मस्जिद से खल्बी ताल्लुख|

27. गुनाहों और लघ्वियात से इह्तेराज|

28. जईफ व मौजू रिवायात व खुराफात और मुन्किरात से परहेज|

29. अखीदे में बद अखीदगी जैसे शिर्क, कुफ्र व निफाख से बचो, इबादात में बिदात से बचो, मामलात में हराम और सारे शबे हयात में फुजूलियात से बचो|

30. खबर में जब रखा जाता है बन्दे को तब अजाब आना चाहता है तो चारो तरफ आमाल टहर जाते है और अजाब से बचा लेते है (इब्ने हब्बान:3113, सहीह उत तरगीब: 3561, हसन)|

arabic text

अबू हुरैरह रजिअल्लाहुअन्हु से रिवायत है के नबी ﷺ ने फरमाया : मय्यत जब खबर में रखी जाती है तो वो (तद्फीन के बाद) वापिस पलटने वाले लोगो के जूतों की आवाज सुनती है अगर मय्यत मोमिन हो तो नमाज उसके सर के पास, रोजा दाए तरफ, जकात बाए तरफ और दूसरे नेक आमाल मसलन सदखा, नवाफील, लोगो के साथ भलाईया और हुस्ने सुलूक पावो की तरफ से उसकी हिफाज़त करते है| फ़रिश्ते अजाब के लिए सर की तरफ से आता है तो नमाज़ कहती है मेरी तरफ से रास्ता नहीं है| फिर फ़रिश्ता दाए तरफ से आता है तो रोजा कहता है मेरी तरफ से रास्ता नही है| फिर फ़रिश्ता बाए तरफ से आता है तो जकात कहती है मेरी तरफ से रास्ता नहीं है| फिर फ़रिश्ता पावो की तरफ से आता है तो दूसरी नेकियाँ, सद्खा खैरात, सिला रहमी, लोगो के साथ भलाईया और अहसान वग़ैरा कहते है मेरी तरफ से रास्ता नहीं है|

रमजान और खवातीन के लिए मजीद 9 तज्कीरात

1. शुकर का महीना ना के ना शुक्री का|
2. अहकाम का इल्म सीखना (सौम व जकात, तहारत, सला, दुआ, अज्कार व इबादात)
3. अखायेद सहीहा ना के मरदजा बिदात व शिर्क|
4. सियाम का महीना है ना के सिर्फ ताम का|
5. खुरआन का महीना है ना के बिला मख्सद महफ़िलो और कसरत गुफ्तगू का|
6. ______ व अहसान का महीना ना के फुजूल व लघ्वियात का|
7. खियाम का महीना|
8. सिर्फ भूक का रोजा नहीं पूरे आजा का रोजा|
9. औखात का ख़याल और नज्म व नुसख की पाबंदी|

रमजान में 11 मखरूआत व ममनूआत

1. खज़ा ए रोजो की तकमील शाबान में करले अगर साल भर ना कर सके और तकासिल व सुस्ती से बचे|
2. इस्तेख्बाल रमजान के नाम पर शाबान के आखरी दो दिन रखना मना है|

3. शाबान में सुस्ती और रमजान में उन कामो की अंजाम देही, तवाजुन बरखरार रखे|

4. Busy के अजाब से बचे, कारोबार से वक़्त निकाल कर इबादत के लिए टाइम टेबल बनाना|

5. फिखुल सियाम और अहकाम इबादात रमजान ना जानना|

6. फिख अहकाम उल खुलूब (खल्ब की इस्लाह) फिख अहकाम उल जवारह (जाहिरी इबादात व मामलात व अख्लाखात के अहकाम), इस्लाह जाहिर व बातिन की जिद्दो जहद ना करना|

7. नजात की फिकर में सुस्ती या मघ्फिरत करो अपने में सुस्ती और सय्यदुल अस्तघफार याद ना करना|

8. झगड़ो में मलूस हो जाना|

9. रमजान में खेलो का एहतेमाम वख्त गुजारी के लिए|

10. मुस्लिम महलो और नेक सोहबतो से दूर हो कर बद दीन लोगो के साथ वख्त गुजारी कर के नमाज और रोजे खराब कर लेना|

11. अखायेद वा इबादात, तिलावत खुरआन, दुआ और मसाजिद का एहतेमाम ना करना|

3. रमजान तजकिया नफ्स व फिख अहकाम उल खुलूब खब्ल अहकाम उल जवारेह (ईजा)

I. नफ्स की इस्लाह और आदी बनाए मंदर्जा जेल तालीमात को :

1. ईमान, इखलास व इत्तेबा|
2. शऊर नेमत इलाही|
3. जहन्नम से नजात की फिकर|
4. तिलावत का एहतेमाम और फहम व तत्बीख|
5. 40 दिन में खुरआन ख़तम करने की साल भर आदत बना ले|
6. हर नमाज से पहले और बाद दो सफ्हात तिलावत का एहतेमाम कमज कम|
7. इस्लामी तालीमात (अखीदा, फिख हल इबादात, मामलात व अहकाम के लिए किताबो, आडियो, वीडियो को सुनने का एहतेमाम (एक वक़्त मुखर्रर कर ले)|
8. दुआ को एहतेमाम, नयी दुआओ का हिफ्ज (अज्कार सुबह व शाम, अज्कार उल सलात व बादुस सलात, आम दुआये और इस्तेघ्फार की दुआये)|
9. अम्बिया व सलफ सालेहीन के वाखियात का इल्म हासिल करके उनके नख्शे खदम पर चलने की कोशिश|
10. इबादात नवाफिल का भी एहतेमाम|

4. रमजान और घर का माहौल

1. सब के लिए मुसहफ और रिहाल का इन्तेजाम|

2. महली खवातीन और मर्द के लिए (मर्द बराए नफिल)|

3. घर में आडियो वीडियो बयानात का सिस्टम या किताबो की ला बरीरी इस्तेतात के मुताबिख|

4. रमजान से मुताल्लिख आयात व अहादीस पढ़ना अफराद खानदान व अहलो अयाल के सामने|

5. घर में मागूलात व मश्रूबात इस्राफ के बग़ैर इन्तेजामात रमज़ान से पहले|

6. घर में सोने जागने, खाने पीने और सोशल मीडिया इस्तेमाल करने का एक मुखर्ररा निजाम व सिस्टम बना ले|

7. प्रोग्राम जियाफत का निजामुल औखात वाजेह और टाइम जाया किये बग़ैर सिला रहमी और हुखूखुल मुस्लिम और हुखूखुल इंसानियत अदा करे|

8. अहल व अयाल के साथ मुमकिन हो तो उमरह प्लान|

9. सामेयीन के लिए जियाफत की प्लानिंग|

10. बुलूघुल मराम और रियाजुस सालिहीन से रमजान से मुताल्लिख अहादीस पढ़ना (रोजा, जकात, खुरआन, दुआ, इबादात)|

5. फिख रमजान और फिख उल इबादात

बिला उज्र रोजे छोड़ने की सजा

अबू उमामा बाहली रजिअल्लाहुअन्हु बयान करते है, मैंने रसूल करीम ﷺ को ये फरमाते हुए सुना :

(मै सोया हुआ था के मेरे पास दो शख्स आये और मेरे बाजू पकड़ कर मुझे सख्त और दुश्वार गुजार पहाड़ के पास लाये और कहने लगे : इस पर चढिये, मैंने उन्हें कहा के मुझ में इस पर चढ़ने की ताखत नहीं, वो दोनों कहने लगे हम आप के लिए इसे आसान कर देंगे,, तो मै इस पहाड़ पर चढ़ गया, जब ऊपर पहुचा तो वहा शदीद खिस्म की आवाजे आ रही थी, मैंने कहा ये आवाज़े कैसी है? वो कहने लगे : ये जहन्नमियो की आह बका है, फिर वो मुझे आगे ले गए जहा पर कुछ लोग कूचो के बल लटक रहे थे और उनकी होंट के किनारे कटे हुए थे और उनके होंट किनारे से खून बह रहा था, मैंने कहा ये लोग कौन है?

वो कहने लगे : ये वो लोग है जो इफ्तारी से खब्ल ही अपने रोजे इफ्तार कर लिया करते है